पूर्व रंग

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अयोध्या शोध संस्थान

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश का मासिक पत्र

वर्ष : 1, प्रवेशांक, जून 2022

संरक्षण

योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमन्त्री,
उत्तर प्रदेश

❀

मार्गदर्शन

श्री जयवीर सिंह
माननीय मन्त्री,
पर्यटन एवं संस्कृति विभाग,
उत्तर प्रदेश

❀

निर्देशन

श्री मुकेश कुमार मेश्राम
प्रमुख सचिव,
पर्यटन एवं संस्कृति विभाग,
उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष-संस्थान

श्री शिशिर
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तर प्रदेश
उपाध्यक्ष-संस्थान

❀

कार्यकारी सम्पादक

डॉ० लवकुश द्विवेदी
निदेशक
अयोध्या शोध संस्थान,
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

❀

प्रकाशक

अयोध्या शोध संस्थान
तुलसी स्मारक भवन
अयोध्या, उ०प्र०
सम्पर्क : 9532014477
ईमेलः
ayodhyaresearch1986@gmail-com
वेबसाइटः
www.ayodhya.org.in

जयवीर सिंह
मन्त्री
पर्यटन एवं संस्कृति
उत्तर प्रदेश

कार्यालय : कक्ष संख्या 73A-B
मुख्य विधान भवन,
सचिवालय, लखनऊ
☎ : 0522-2239251
ई-मेल : tourismminister.up@gmail.com

दिनांक 31-05-2022

शुभकामना संदेश

"रमानाथ जहँ राजा, सो पुर बरनि कि जाइ।
अनिमादिक सुख संपदा, रही अवध सब छाइ।।"

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली एवं विश्व पटल पर समादृत अयोध्या का अपना अलग वैशिष्ट्य है। प्राचीन काल में यह सूर्यवंशी राजाओं की राजधानी रही है। यह नगरी धर्म, आस्था, संस्कृति एवं विभिन्न परम्पराओं की संवाहिका है। हमारे धर्मशास्त्रों में अयोध्या को मोक्षदायिनी सप्तपुरियों में प्रमुख स्थान प्राप्त है। यहां पर कला एवं संस्कृति के विभिन्न आयामों पर उच्चस्तरीय शोध, सर्वेक्षण एवं अभिलेखीकरण हेतु संस्कृति विभाग की स्वायत्तशासी संस्था के रूप में अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना की गयी है।

मुझे प्रसन्नता है कि अयोध्या शोध संस्थान द्वारा अपनी नियमित गतिविधियों को आमजन के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु मासिक न्यूज लेटर **'पूर्व रंग'** का प्रकाशन प्रारम्भ किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश और अयोध्या शोध संस्थान को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(जयवीर सिंह)

मुकेश कुमार मेश्राम
आई०ए०एस०
प्रमुख सचिव

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन

लखनऊ : दिनांक 31-05-2022

शुभकामना संदेश

अयोध्या का सांस्कृतिक वैभव अत्यन्त समृद्ध है जहां वैष्णव, शैव, शाक्त, बौद्ध एवं जैन आदि धर्मों का समावेशी स्वरूप मिलता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली होने के कारण अयोध्या को पूरे विश्व में ख्याति प्राप्त है जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु आकर आस्था, संस्कृति एवं परम्परा की त्रिधारा से परिचित होते हैं।

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा अयोध्या में प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ रामकथा के विविध पक्षों पर शोध, सर्वेक्षण एवं अभिलेखीकरण हेतु अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना की गयी है। यह संस्थान अयोध्या के उसी महत्त्वपूर्ण स्थान पर स्थित है जहां मान्यता है कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना की थी। संस्थान द्वारा अनवरत रामलीला का मंचन भी ऐसी ही अनेक मान्यताओं के संरक्षण का एक प्रयास है।

संस्थान द्वारा अपनी नियमित गतिविधियों से जनमानस को अवगत कराने हेतु मासिक न्यूज लेटर 'पूर्व रंग' का प्रकाशन किया जा रहा है जो एक सराहनीय प्रयास है। अयोध्या शोध संस्थान के इस मासिक न्यूज लेटर के प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(मुकेश कुमार मेश्राम)

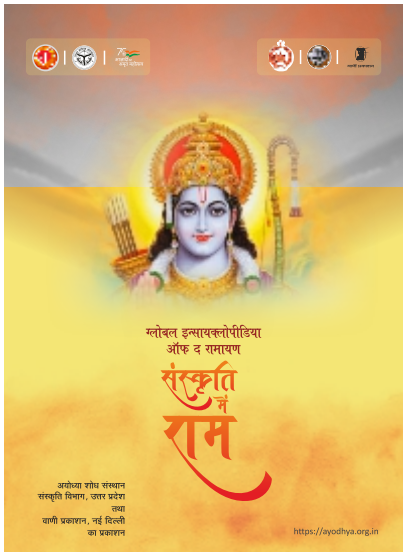

विक्रम सम्वत् 2079, शक सम्वत् 1944 तथा सन् 2022-23 पर आधारित तथा रामलीला के आकर्षक चित्रों से युक्त 'अयोध्या पंचांग' का लोकार्पण करते हुए मा० मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उ० प्र० श्री जयवीर सिंह एवं प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उ० प्र० श्री मुकेश कुमार मेश्राम।

अपनी बात

'रामकथा सुरधेनु सम...' रामकथा में जितना डूबिए, अध्ययन और शोध कीजिए, उसमें हमेशा और अधिक करने की संभावनायें बढ़ती जाती हैं। किसी शोध संस्थान की सक्रियता को उसके आयोजनों के साथ ही पीढ़ियों के लिए लंबे समय तक संरक्षण से जुड़े कार्यों के निकष पर देखा जाता रहा है। अयोध्या शोध संस्थान ने रामकथा के विविध पक्षों पर अपनी गतिविधियों और कार्यों को सतत और सार्थक करने के साथ ही प्रदेश की आंचलिक मूर्त एवं अमूर्त विरासतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्न किया है। इस क्रम में संस्थान में द्वारा विभिन्न अवसरों पर सांस्कृतिक समारोह, विचार गोष्ठियों का आयोजन तथा सांस्कृतिक परंपराओं के अभिलेखीकरण हेतु शोधपूर्ण पुस्तकों के लेखन एवं प्रकाशन की नियमित प्रक्रिया जारी है। 'ग्लोबल इन्सायक्लोपीडिया ऑफ द रामायण' की महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत इस वर्ष रामकथा के विविध पक्षों पर दस पुस्तकों की भव्य शृंखला के प्रकाशन का पूर्ण होना भी हमारे प्रयासों का साक्षी है। नूतन वर्ष (विक्रम सम्वत् 2079) में 'अयोध्या पंचांग' का प्रकाशन और लोकार्पण विरासत के संरक्षण की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

हमें प्रसन्नता के साथ ही अतीव संतोष भी होता है कि संस्थान के नियमित कार्यों के सम्पादन के साथ-साथ संस्कृति विभाग के कई महत्वपूर्ण निर्णयों के अनुपालन की जिम्मेदारी के लिए भी संस्थान को उपयुक्त समझा गया है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गत वर्ष 'रामायण कॉन्क्लेव' का सफलतापूर्वक आयोजन करने के बाद 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत प्रदेश के 75 जनपदों के स्वतंत्रता इतिहास पर आधारित 75 पुस्तकों के प्रकाशन का गुरुतर दायित्व भी संस्थान को सौंपा गया है, जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है। इसी प्रकार हाल में ही सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश और गुजरात के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान के लिए 'समझौता पत्र' को मूर्त रूप प्रदान करने में भी संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अयोध्या में पारंपरिक रामलीला दलों द्वारा रामलीला का मंचन तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी संस्थान निरंतर सक्रिय है।

संस्थान के प्रमुख कार्यों और गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी एक स्थान पर जनमानस को उपलब्ध हो सके, इस उद्देश्य से हम माह जून 2022 से संस्थान का 'न्यूज लेटर' (मासिक पत्र) 'पूर्व रंग' आपके समक्ष लेकर आये हैं। यह क्रम आगे भी जारी रहेगा जो प्रत्येक माह के आरंभ में चित्रमय विवरण के साथ एक नये कलेवर में प्रस्तुत होता रहेगा। आशा है, संस्थान का यह नव्य प्रयास आपको रुचिकर लगेगा। 'न्यूज लेटर' का आगामी अंक और अधिक प्रभावी बन सके, इस हेतु आपके सकारात्मक सुझावों का हमेशा की तरह स्वागत होगा।

31/05/2022

(डॉ० लवकुश द्विवेदी)

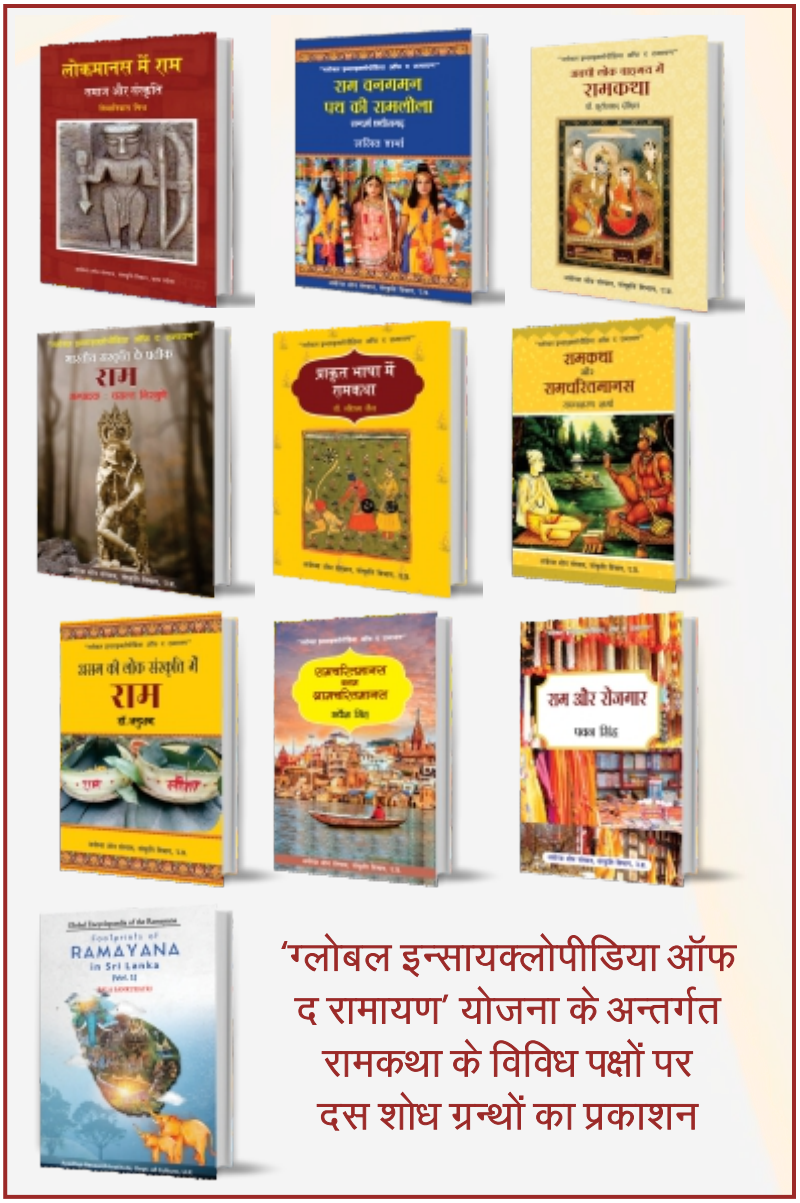

'ग्लोबल इन्सायक्लोपीडिया ऑफ द रामायण' योजना के अन्तर्गत रामकथा के विविध पक्षों पर दस शोध ग्रन्थों का प्रकाशन

'उत्तर प्रदेश - गुजरात मैत्री दिवस' के अवसर पर अनुबन्ध

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' योजना के अन्तर्गत गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'उत्तर प्रदेश–गुजरात मैत्री दिवस' का आयोजन 23 मई 2022 को लखनऊ के गोमतीनगर स्थित संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में किया गया। महामहिम राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदी बेन पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में गुजरात सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान हेतु समझौता पत्र (एमओयू) को मूर्त रूप प्रदान कराने का उत्तरदायित्व अयोध्या शोध संस्थान को दिया गया था।

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कथा सुनाती नित्य रामलीला

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली में अयोध्या शोध संस्थान द्वारा पारम्परिक रामलीला दलों द्वारा रामलीला का मंचन कराया जाना एक विशिष्ट आयोजन है जिसमें बड़ी संख्या में तीर्थयात्री, श्रद्धालु, पर्यटक और स्थानीय नागरिक शामिल होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से विविध शैलियों, परम्पराओं और आंचलिक बोलियों के सम्मिश्रण के साथ श्रीराम की कथा के प्रसंगों का मंचन न सिर्फ आकर्षण का केन्द्र रहा है बल्कि गोस्वामी तुलसीदास और मेघा भगत द्वारा आरम्भ की गयी इस पारम्परिक कला के संरक्षण का भी महत्वपूर्ण प्रयास है। निम्नलिखित रामलीला दलों द्वारा सराहनीय प्रस्तुतियां की गयी–

- **01-14 मई, 2022 – जय हनुमान मानस उत्थान आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा।**
  श्री शत्रुहन सिंह, सम्पर्क : 8840518709
- **15-28 मई, 2022 – कार्तिकेय संस्कृति संस्था, परषादी लाल रोड, मुरादाबाद।**
  श्री पंकज दर्पण अग्रवाल, सम्पर्क : 9837035656
- **29 मई, 2022 से वर्तमान समय तक – जय माँ हंसवाहिनी रामलीला एवं नाट्य मण्डल, कौशाम्बी।**
  महन्त संतोष कुमार, सम्पर्क : 7607609794

इन रामलीला दलों द्वारा श्रीराम जन्म से लेकर श्रीराम राज्याभिषेक तक के प्रसंगों का पारम्परिक शैली में मंचन किया गया।

अयोध्या में यह नित्य रामलीला 02 अप्रैल, 2022 से प्रारम्भ हुई है जिसका उद्घाटन श्री लल्लू सिंह, माननीय सांसद, अयोध्या, श्री वेद प्रकाश गुप्ता, माननीय विधायक, अयोध्या और श्री नवदीप रिणवा, मण्डलायुक्त, अयोध्या द्वारा किया गया।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत

75 पुस्तकें सुनाएंगी स्वतंत्रता की दास्तान

आजादी के अमृत महोत्सव में 75 पुस्तकें स्वतंत्रता की दास्तान सुनाएंगी। ये पुस्तकें प्रदेश के 75 जनपदों पर आधारित होगीं जिनमें जनपदों का स्वतंत्रता इतिहास दर्ज होगा। इनके माध्यम से जनपदों की गुमनाम गाथाएं और नायक भी प्रकाश मे लाए जाएंगे। जनपदवार पुस्तकों के प्रकाशन की संस्कृति विभाग की महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अयोध्या शोध संस्थान को सौंपी गई है जिस पर कार्य भी आरम्भ हो चुका है। '75 वर्ष, 75 जनपद, 75 पुस्तक' की यह महत्वपूर्ण योजना बनाई गयी है।इन पुस्तकों के प्रकाशन का उद्देश्य स्वतंत्रता संघर्ष की अब तक ज्ञात जानकारी के साथ ही प्रदेश की स्वतंत्रता की उन गाथाओं, नायकों को भी सामने लाना है जो किन्हीं कारणों से लिपिबद्ध नहीं किए जा सके। पुस्तक के माध्यम से आजादी के अमृत महोत्सव में स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास को नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रथम चरण में निम्न जनपदों के इतिहास लेखन का कार्य प्रारम्भ

1. लखनऊ – श्री रवि भट्ट
2. उन्नाव – डॉ.गणेश नारायण शुक्ल
3. चंदौली – डॉ.रामसुधार सिंह
4. मिर्जापुर – श्री जितेन्द्र कुमार सिंह 'संजय'
5. बलिया – श्री शिवकुमार सिंह कौशिकेय
6. आगरा – श्री उमापति दीक्षित
7. सोनभद्र – श्री विजय शंकर चतुर्वेदी
8. कानपुर नगर – श्री अनूपकुमार शुक्ल
9. बदायूं – श्री अक्षत अशेष
10. झांसी – श्री सुधाकर शर्मा
11. जालौन – डॉ. रामशंकर भारती
12. महोबा – श्री संतोष कुमार पटेरिया
13. हमीरपुर – डॉ.मनोज रिछारिया
14. प्रयागराज – श्री अनुपम परिहार
15. गाजियाबाद – श्री चंद्रशेखर शास्त्री
16. गौतमबुद्धनगर – श्री देवप्रकाश चौधरी
17. बाराबंकी – श्री रामबहादुर मिश्र
18. बागपत – श्री विश्वबन्धु शास्त्री
19. मेरठ – डॉ. कृष्णकांत शर्मा
20. चित्रकूट – डॉ.गोपाल कुमार मिश्र
21. फिरोजाबाद – डॉ.संध्या द्विवेदी
22. आजमगढ़ – श्री जगदीश प्रसाद बरनवाल
23. प्रतापगढ़ – डॉ.नीतू सिंह
24. बस्ती – डॉ.अष्टभुजा शुक्ल
25. अमेठी – डॉ.राकेश पाण्डेय
26. अयोध्या – डॉ.महेन्द्र पाठक
27. बलरामपुर – श्री पवन बख्शी
28. मथुरा – श्री उमेशचन्द्र शर्मा
29. इटावा – श्री हरीश कुमार
30. गोंडा – डॉ.निशा गहलौत
31. देवरिया – श्री अरुणेश नीरन

कार्यकारी सम्पादक – डॉ० लवकुश द्विवेदी
समन्वयक – श्री आलोक पराड़कर

हरिद्वार में बम लहरी

माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी ने 5 मई 2022 को हरिद्वार में अलकनन्दा घाट स्थित भागीरथी पर्यटक आवास गृह का लोकार्पण किया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तराखण्ड श्री पुष्कर सिंह धामी जी भी उपस्थित थे।

समारोह में संस्थान द्वारा निम्न-लिखित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन किया गया–

- **गंगा स्तुति, शिव स्तुति**
  भारत जागृति मिशन, हरिद्वार
- **बम लहरी, गंगा आरती**
  श्री महावीर सिंह (हरियाणा)

‘आजादी का अमृत महोत्सव’ के अन्तर्गत
नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में सांस्कृतिक कार्यक्रम

‘आजादी का अमृत महोत्सव’ के अन्तर्गत अयोध्या शोध संस्थान के संयोजन में नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में प्रतिमाह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में निम्न आयोजन किये गये

- **नोएडा– तरंग 2022** : नोएडा विकास प्राधिकरण के सहयोग से सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला का भव्य उद्घाटन 17 अप्रैल, 2022 को हुआ। इस योजना के अन्तर्गत किये गये आयोजन–

17-18 अप्रैल, 2022

राई लोकनृत्य – निशान्त सिंह भदौरिया (झांसी)

गूजरी लोकनृत्य – गौरव नागर (गौतमबुद्ध नगर)

बीन जोगी – रामबीर नाथ (पलवल)

देश भक्ति गीत – रिदम म्यूजिक बैण्ड (नोएडा)

रागिनी – ब्रह्मपाल नागर (नोएडा)

14 मई, 2022

भक्ति संगीत – जे०एस०आर० मधुकर (दिल्ली)

कथक नृत्य – शुभी जौहरी (दिल्ली)

15 मई, 2022

देश भक्ति लोकगीत – नीता गुप्ता (मेरठ)

- **ग्रेटर नोएडा – कलरव 2022** : ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहयोग से सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क में मासिक सांस्कृतिक संध्या प्रारम्भ की गयी है जिसमें निम्नलिखित आयोजन किये गये–

07 मई, 2022

भरत नाट्यम – नन्दिनी बियानी (दिल्ली), **देशभक्ति गीत एवं सूफी गायन** – इण्डियन ओशन बैण्ड (दिल्ली)

समाचार पत्रों से ...

...यन और कथक ... को मंत्रमुग्ध किया

75 पुस्तकें सुनायेंगी आजादी की दास्तान

75 जिलों का इतिहास बताएंगी 75 पुस्तकें

पुस्तकों के प्रकाशन की संस्कृति विभाग की महत्वपूर्ण योजना

सांस्कृतिक विरासत को दर्शायेगा अयो...

पुस्तकों के प्रकाशन की संस्कृति विभाग की महत्वपूर्ण योजना

यूपी-गुजरात जैसी दिवस: सांस्कृतिक विरासत का आदान-प्रदान

गुजरात संग यूपी भी अपना...

रामलीला की सांस्कृतिक विरासत को दीर्घजीवी बनाएगा अयोध्या पंचांग

श्याम की सूरत मतवाली..., सखी वृंदावन जाऊंगी

...रामलीला की वैश्विक विरासत

सांस्कृतिक विरासत को दीर्घजी... बनाएगा अयोध्या पंचांग: जयवीर

हमारी संस्कृति में सबको सूत्र में बांधने की शक्ति: राज्यपाल

संगीत नाटक अकादमी में जमा कलात्मक प्रस्तुतियों का रंग

रामलीला की सांस्कृतिक विरासत को दीर्घजीवी बनाएगा अयोध्या पंचांग

रामलीला की सांस्कृतिक विरासत को दीर्घजीवी बनाएगा अयोध्या पंचांग

> **“लोकमानस में राम को अपने बीच निरन्तर पाते रहने की अतृप्त आकांक्षा रहती है; वही उसकी सहज कण्ठध्वनि में भी मुखरित होती रहती है।”**
>
> **- डॉ० विद्यानिवास मिश्र**
>
> *‘लोकमानस में राम’ से*

आगामी प्रस्तावित गतिविधियाँ

- **अयोध्या में नित्य रामलीला**
  जय माँ हंसवाहिनी रामलीला एवं नाट्य मण्डल, कौशाम्बी
  अन्य प्रदेश की रामलीला
- नोएडा – **‘तरंग 2022’**
- ग्रेटर नोएडा – **‘कलरव 2022’**
- **अमर शहीद पं० रामप्रसाद बिस्मिल के जन्म दिवस (11 जून) चित्रकला प्रतियोगितायें**
- **रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस (18 जून) पर विविध प्रतियोगितायें**
- **इतिहास लेखन योजना अन्तर्गत** शेष जनपदों के लेखकों के चयन की कार्यवाही
- **प्रदेश के रामलीला कलाकारों की खोज**
- **ऑनलाइन ‘ग्लोबल रामलीला वर्कशाप/फेस्टिवल’ का आयोजन**
- वाराणसी – **‘सब के राम’ चित्रकार शिविर का आयोजन**

अयोध्या शोध संस्थान, तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या, उ०प्र० के लिए शिवम् आर्ट्स, 512/269, दूसरी गली, निशातगंज, लखनऊ, उ०प्र०, सम्पर्क : 9415061690 से मुद्रित